Literacy for a Billion

Movie: Laila Majanu
Year: 1979

Song: Husn Hazir Hai
Lyricist: Sahir Ludhianvi

हुस्न हाज़िर है
मोहब्बत की सज़ा पाने को
हुस्न हाज़िर है
मोहब्बत की सज़ा पाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को

हुस्न हाज़िर है
मोहब्बत की सज़ा पाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को

मेरे दीवाने को
इतना ना सताओ लोगों
मेरे दीवाने को
इतना ना सताओ लोगों
ये तो वहशी है
तुम्हीं होश में आओ लोगों
ये तो वहशी है
तुम्हीं होश में आओ लोगों
बहुत रंजूर है ये

ग़मों से चूर है ये
बहुत रंजूर है ये
ग़मों से चूर है ये
खुदा का ख़ौफ़ खाओ
बहुत मजबूर है ये
खुदा का ख़ौफ़ खाओ
बहुत मजबूर है ये
क्यों चले आए हो
क्यों चले आए हो
बेबस पे सितम ढाने को
कोई पत्थर से हाँ
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को

मेरे जलवों की ख़ता है
जो ये दीवाना हुआ
मेरे जलवों की ख़ता है
जो ये दीवाना हुआ
मैं हूँ मुज़रिम
ये अगर होश से
बेगाना हुआ
मैं हूँ मुज़रिम
ये अगर होश से
बेगाना हुआ
मुझे सूली चढ़ा दो
के शोलों में जला दो

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.

मुझे सूली चढ़ा दो
के शोलों में जला दो
कोई शिकवा नहीं है
जो दिल चाहे सज़ा दो
कोई शिकवा नहीं है
जो दिल चाहे सज़ा दो
बख़्श दो इसको
बख़्श दो इसको
मैं तैयार हूँ मिट जाने को
कोई पत्थर से हाँ
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को

पत्थरों को भी
वफ़ा फूल बना सकती है
पत्थरों को भी
वफ़ा फूल बना सकती है
ये तमाशा भी
सरे आम दिखा सकती है
ये तमाशा भी
सरे आम दिखा सकती है
लो अब पत्थर उठाओ
ज़माने के खुदाओं
लो अब पत्थर उठाओ
ज़माने के खुदाओं
तुम्हें मैं आज़माऊँ
मुझे तुम आज़माओ
तुम्हें मैं आज़माऊँ
मुझे तुम आज़माओ
अब दुआ अर्श पे
अब दुआ अर्श पे
जाती है असर लाने को
अब दुआ अर्श पे
जाती है असर लाने को
कोई पत्थर से
हाँ...
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को

हुस्न हाज़िर है
मोहब्बत की सज़ा पाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को
कोई पत्थर से ना मारे
मेरे दीवाने को

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.